

FINANCIAL ACCOUNTING

Class : XII

Rationale :

The course in "General Accountancy" is introduced at +2 stage of Senior Secondary Education, is formal commerce education is provided after first 10 yrs. of schooling. As secondary stage provides only Science and Arts subjects to students, opportunity of commerce education is considered to be need of the hour.

In the era of liberalized, privatized and globalize economic scenario and business environment elementary business education alongwith accountancy is the language of business and as a source of financial information has carved a niche for itself at the Secondary stage. The context of Syllabus should give students a firm foundation in basic accounting principles and methodology and also acquaint them with the changes taking place in the presentation and analysis of accounting information keeping in view the development of accounting standards.

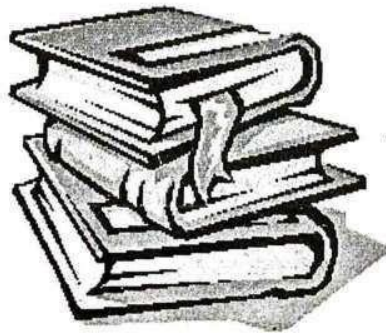
While preparing the syllabus the basic idea mentioned above, has been taken care of. It has been tried the student after going through the syllabus, should be competent to understand the basic as well a the application part of the knowledge of financial accounting which will ultimately help them in their career growth in the field of finance and accounting.

Further NCERT curriculum relating to the subject viz. 'Financial Accounting' has been considered a great deal in the syllabus for the benefit of the students.

Objectives :

- * To familiarize the students with accounting as an information system.
- * To acquaint the students with basic concepts of accounting and accounting standards.
- * To develop the skills of using accounting equation in processing business transactions.
- * To develop understanding about recording of business transactions and preparation of financial statements.
- * To enable the students with accounting for reconstitution of partnership firms.
- * To enable the students to understand analyse the financial statements;
- * To familiarize students with the fundamentals of computerized system of accounting.
- * To make the students competent so much that in future they are successful in their classrooms and job market related battle.
- * Recommendation for Examination :

Class 12th : Final Examination based on Syllabus of Class 12th.



Courses of Studies for Class : XII

ACCOUNTANCY

Time : 3 Hrs.

One Paper

Marks : 80

PART-A : ACCOUNTING OF NOT FOR PROFIT ORGANISATION, ACCOUNT FROM INCOMPLETE RECORDS AND PARTNERSHIP FIRMS

Unit - 1 : Accounting for Not-For-Profit Organisation (NGO)

(Periods :20)

- * Not for profit organisation : Meaning and examples.
- * Receipts and Payments : Meaning and concept of fund based accounting.
- * Preparation of Income and Expenditure Account and Balance Sheet from Receipt and Payment Account with additional information.

Unit - 2 : Account from Incomplete Records

(Periods :20)

- * Single Entry Scheme – Meaning, Essentials, Disadvantages, Statement of Affairs – Meaning and Distinction with Balance Sheet.
- * Ascertainment of Profit or Loss under single entry system.
- * Conversion of Single entry system into double entry system.

Unit - 3 : Accounting for Partnership firms

(Periods :60)

- * Meaning, Elements, Nature of Partnership firm; Partnership Deed-meaning, Contents and importance.
- * Goodwill : Meaning, Nature, Factors affecting and methods of Valuation : Average profit, Super Profit and Capitalization methods.
- * Admission, Retirement and Death of partners and preparation of their accounts : Accounting for Revaluation of Assets and Liabilities and distribution of reserves and Accumulated Profits, Treatment of goodwill and Adjustment of capital.

PART-B : COMPANY ACCOUNTS AND FINANCIAL STATEMENT ANALYSIS

Unit - 4 : Accounting for Share Capital and Debenture

(Periods :35)

- * Joint Stock Company : Meaning, Features.
- * Share Capital: Meaning, Nature and Types of Shares.
- * Accounting for share capital : Issue and Allotment of Equity and Preference Shares; Over subscription and under subscription; issue at par, premium and at discount; calls in advance, calls in arrears, issue of shares for consideration other than cash.
- * Forfeiture of shares : Accounting treatment, re-issue of forfeited shares.
- * Issue of debenture – Meaning, features and types of debentures; Issue at par, premium and at discount; Issue of debenture for consideration other than cash.

Unit - 5 : Analysis of Financial Statements

(Periods :28)

- * Financial Statement of a Company : Meaning, Objects & Components.
- * Financial analysis – Meaning, need and purpose.
- * Tools for Financial Statement Analysis : Accounting Ratios : meaning and objectives, types of ratios.

Liquid Ratios : Current Ratio, Liquid Ratio.

Solvency Ratios : Debt. to Equity, Total Assets to Debt, Proprietary Ratio;

Activity Ratios : Inventory Turnover, Debtors Turnover, Payables Turnover, Working Capital Turnover, Fixed Assets Turnover, and Current Assets Turnover;

एकतन्त्रेनी



Profitability Ratio : Gross Profit, Operating Ratio, Net Profit Ratio, Return on Investment, Earning Per Share, Dividend per share, etc.



Unit - 6 : Statement of changes in Financial Position (Cash Flow Statement)

(Periods :25)

- * Cash Flow Statement : Meaning and Objectives, preparation, adjustment related to depreciation, dividend and tax, sale and purchase of non-current assets (as per revised standard issued by ICAI)

Unit - 7 : Project work in Accounting

(Periods :15) – 20 Marks

OR,

Unit - 7 : Computerised Accounting

(Periods :15)

- * Database design for accounting
- * Entity relationship model.
- * Relational data model.
- * Structured Query Language (SQL)

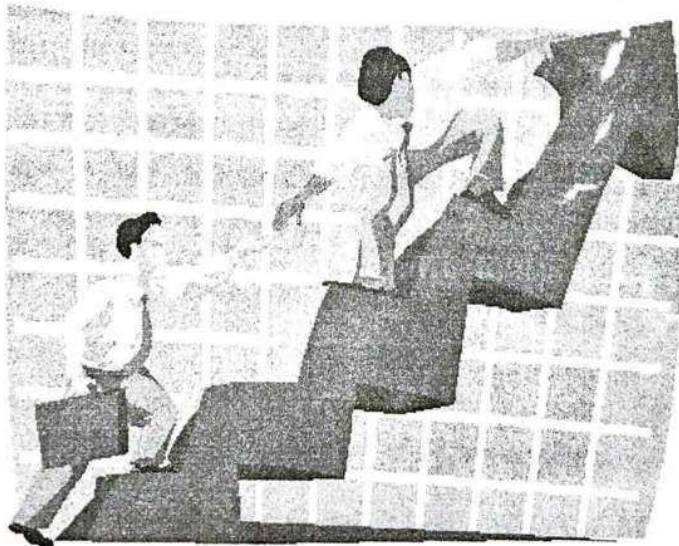
Overview of computerised accounting system

- * Fundamentals of computerised accounting system
- * Concept of grouping of accounts
- * Codification of accounts

Application of computers in Financial Accounting (MS Access)

- * Accounting procedures used in practice for recording cash, bank and journal transactions.
- * Preparation of ledger accounts, cash book, bank book and Trial Balance.

एकाउन्टेन्सी



वित्तीय लेखांकन

कक्षा- XII के लिए

मीमांसा-

विद्यालयी शिक्षा के 10 वर्षों के पश्चात् +2 की शिक्षा हेतु सीनियर माध्यमिक शिक्षा द्वारा "वित्तीय लेखांकन" की वाणिज्य से संबंधित, पाठ्यक्रम का निर्माण किया जा रहा है। प्रायः से पहले उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में सिर्फ कला एवं विज्ञान विषयों की ही पढ़ाई की जाती रही है परन्तु आज वाणिज्य को इन कक्षाओं में पढ़ाये जाने की परम्परा प्रचलित हो चुकी है या इसकी जरूरत महसूस की जा रही है।

आज का युग उदारीकरण, वैश्वीकरण एवं निजीकरण (LPG) का युग है एवं इसमें वाणिज्य विषय को कम आंकना अर्थहीन जान पड़ता है। वाणिज्य एवं इसके महत्वपूर्ण अंग लेखांकन, अर्थशास्त्र, संगणक आदि की भूमिका व्यवसाय की भाषा जैसी है। अतः उच्चतर माध्यमिक अवस्था में वाणिज्य अहम् भूमिका निभाता है।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यही है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर (वाणिज्य विषय से संबंधित) छात्रों को लेखांकन की मूलभूत सिद्धांतों से अवगत कराकर उनके स्तर को सुदृढ़ करना है। इसमें लेखांकन की उन समस्त सिद्धांतों को उल्लेखित किया गया है जो एक परम्परागत शिक्षा से अलग महसूस कराएगा। पाठ्यक्रम को इतनी उपयोगिताओं एवं आवश्यकताओं से पूर्ण किया गया है कि वित्त एवं लेखांकन के क्षेत्र में कैरियर विकास में उनका सहयोग प्रदान करेगा।

अन्ततः 'वित्तीय लेखांकन' का पाठ्यक्रम तयार करने में एन.सी.ई.आर.टी. (NCERT) द्वारा निर्मित 'वित्तीय लेखांकन' के पाठ्यक्रम से मिलान किया गया एवं संशोधनोपरांत पाठ्यक्रम जारी किया गया है जिसमें छात्रों का उत्तरोत्तर विकास हो।

एकत्रयी

उद्देश्य-

- सूचना प्रणाली के तौर पर लेखांकन प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कराना।
- छात्रों को लेखांकन एवं लेखांकन स्तर के आधारभूत अवधारणाओं से परिचित कराना।
- व्यापारिक लेन-देन की प्रक्रियाओं में लेखांकन समीकरण के प्रयोग करने हेतु विकसित करना।
- व्यापारिक लेन-देन एवं वित्तीय विवरण तैयार करने में समझ विकसित करने के लिए।
- साझेदारी व्यवसाय की पुनर्संगठन में लेखांकन प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने में।
- वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एवं उनको समझने में छात्रों की मदद करना।
- संगणक युक्त लेखांकन प्रक्रियाओं की आधारभूत सिद्धांतों को समझने एवं व्यवहार में लाने हेतु छात्रों की मदद करना।
- उनको वर्तमान परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य में वर्ग एवं पेशा (job) के क्षेत्र में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सके।
- परीक्षा हेतु सुझाव :-

वर्ग XII - अन्तिम परीक्षा 12वीं के आधार पर।



Courses of Study for Class-XII

Accountancy (लेखाशास्त्र)

खण्ड-A गैर-लाभकारी संगठन, साझेदारी फर्म एवं कम्पनियों का लेखांकन

इकाई-1 गैर-लाभकारी संगठनों का लेखांकन :

- गैर-लाभकारी संगठन- अर्थ एवं उदाहरण।
- प्राप्ति एवं भुगतान खाता- अर्थ एवं कोष आधारित लेखांकन की अवधारणा।
- प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा अतिरिक्त सूचनाओं की सहायता से आय-व्यय खाता व चिट्ठा तैयार करना।

इकाई-2 अपूर्ण सूचनाओं के लेखे :

- इकहरा लेखा प्रणाली- अर्थ, विशेषताएँ, दोष; स्थिति विवरण-अर्थ एवं चिट्ठा के साथ अन्तर।
- लाभ व हानि का आंकलन एवं इकहरा लेखों का दोहरा लेखे में परिवर्तन।

इकाई-3 साझेदारी फर्मों के लेखे :

- साझेदारी फर्म का अर्थ, प्रकृति व विशेषता; साझेदारी संलेख- अर्थ, आवश्यक तथ्य एवं महत्व।
- साझेदारी फर्मों के अन्तिम लेखे- स्थायी व चालू पूंजी, साझेदारों के बीच लाभ का बंटवारा तथा लाभ-हानि समायोजन खाता बनाना।
- ख्याति : अर्थ, प्रकृति व इसे प्रभावित करनेवाले घटक, ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ- औसत लाभ विधि, अधिलाभ विधि एवं पूंजीकरण विधि।

खण्ड-B
इकाई-4

कम्पनियों के लेखे एवं वित्तीय विवरणों का विश्लेषण
अंश पूंजी व ऋणपत्रों के लेखे :

- संयुक्त पूंजी की कम्पनी- अर्थ, विशेषता।
- अंश पूंजी- अंश के अर्थ, प्रकृति एवं प्रकार।
- अंश पूंजी के लेखे : समता व पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन व आवंटन, अधि-अंशदान एवं अंतर अंशदान, सममूल्य पर निर्गमन, प्रीमियम व कटौती पर निर्गमन, अग्रिम याचना एवं अवशिष्ट याचना तथा नगद के अतिरिक्त अन्य उद्देश्यों से अंशों को निर्गमन।
- अंशों की जब्ती- जब्ती के लेखे एवं जब्त अंशों का पुनर्निर्गमन।
- ऋणपत्रों का निर्गमन- ऋणपत्र के अर्थ, विशेषता एवं प्रकार; सममूल्य, प्रीमियम व कटौती पर ऋणपत्रों का निर्गमन; नगद के अतिरिक्त अन्य उद्देश्यों से ऋणपत्रों का निर्गमन।

इकाई-5

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण :

- एक कम्पनी के वित्तीय विवरण- अर्थ, उद्देश्य एवं संघटक।
- वित्तीय विश्लेषण- अर्थ, आवश्यकता एवं उद्देश्य।
- वित्तीय विवरणों के विश्लेषण हेतु उपकरण- लेखांकन अनुपात- अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार।
- अनुपातों का निर्धारण- तरलता अनुपात (चालू अनुपात एवं तरल अनुपात); शोधनक्षमता अनुपात (ऋण-समता अनुपात, सम्पत्ति ऋण अनुपात, स्वामित्व अनुपात); आवर्त अनुपात (रहतिया आवर्त, देनदार आवर्त, देय आवर्त, कार्यशील पूंजी आवर्त, स्थायी सम्पत्ति आवर्त एवं तरल सम्पत्ति आवर्त) एवं लाभदायकता अनुपात- कुल लाभ, संचालन लाभ, शुद्ध लाभ अनुपात, विनियोग प्रत्याय, प्रति अंश अर्जन, प्रतिअंश लाभांश इत्यादि।

इकाई-6

वित्तीय स्थिति के परिवर्तन का विवरण :

- नगद प्रवाह विवरण- अर्थ एवं उद्देश्य, विवरण तैयार करना (आई.सी.ए. द्वारा निर्धारित लेखा मानक 3 के अनुसार) तथा हास, लाभांश एवं कर, स्थायी सम्पत्तियों के क्रय-विक्रय से संबंधित समायोजन सहित।

इकाई-7

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन :

- लेखांकन का डाटाबेस डिजाइन
- इकाई संबंध मॉडल
- संबंधित डाटा मॉडल
- स्ट्रक्चर्ड क्वेरी भाषा (एस.क्यू.एल.)
- कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली पर एक पूर्ण दृष्टि :
- कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का आधारभूत तथ्य
- खातों के समूहीकरण की विचारधारा
- खातों को संकेतबद्ध करना
- वित्तीय लेखांकन में कम्प्यूटर का प्रयोग :
- नगद, बैंक व रोजनामचा संबंधी लेखा प्रक्रिया में कम्प्यूटर का उपयोग।
- खाते तैयार करना, जैसे- रोकड़ बही, बैंक बही एवं तलपट्ट।



एकाउन्टेन्सी

